प्रतिवेदन

2015-16

प्रत्यूष सांस्कृतिक क्लब

शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार

पोस्ट– करकबेल, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

प्रत्यूष सांस्कृतिक क्लब

शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार

क्र 225

दिनांक : 08.04.2016

प्रति,

उपसंचालक

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

नंई दिल्ली

विषय : सांस्कृतिक क्लब द्वारा सत्र 2015–16 में आयोजित गतिविधियों का प्रतिवेदन।

महोदय

उक्त विषयान्तर्गत हमारी संस्था के सांस्कृतिक क्लब द्वारा सत्र 2015–16 में आपके निर्देशानुसार विविध गतिविधियों का आयोजन किया है, जिसका विस्तृत प्रतिवेदन, फोटोग्राफ्स, अखबार कटिंग, दर्शकों की प्रतिक्रिया तथा आय–व्यय के विवरण के साथ आपकी ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत है।

महोदय, परीक्षा कार्य एवं विद्यालयीन अन्य कार्यों की व्यस्तता के कारण प्रतिवेदन भेजने में विलम्ब हुआ है, जिसका हमे खेद है।

सादर

संलग्न :- शब्दसंचयन .

भवदीय

प्रधानपाठक

शास.कन्या माध्य.शाला

बौछार

प्रधानपाठक शास. कन्या माध्य. शाला बौछार, जिला नरसिंहपुर

6452 10 MAY 2016

प्रतिवेदन

A. विद्यालयीन विवरण

1	संस्था का नाम एवं पूर्ण पता	शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार पोस्ट करकबेल, जिला–नरसिंहपुर (म.प्र.) पिन–487114
2	सांस्कृतिक क्लब का नाम	'प्रत्यूष' सांस्कृतिक क्लब
3	सी.सी.आर.टी.प्रशिक्षित का नाम व पता	आनन्द नेमा म.प्र.रा.विद्युत मण्डल दफ्तर के पास करकबेल जिला–नरसिंहपुर म.प्र. पिन–487114 फोन : 08989436288 ईमेल : nemaanand13@gmail.com
4	प्रधानाध्यापक का नाम	आनन्द नेमा
5	सम्मिलित शालायें	• शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार • शासकीय माध्यमिक शाला बौछार
6	लाभान्वित विद्यार्थी	150

B. आयोजित गतिविधियों का विवरण

क्र	कार्यक्रम का दिनांक	कार्यक्रम का नाम	आयोजन	विवरण
1	27 जनवरी से 30 जनवरी 2016	लोकगीत गायन	शाला भवन	श्री जीवनलाल सेन ख्यातिलब्ध लोकगीत गायक हैं, उनके निर्देशन में छात्राओं ने लोकगीत की विभिन्न शैलियों को सीखा। इसमें उन्होंने विविध अवसरों पर गाये जाने वाले गीतों व उनकी रागों से परिचित कराया। अंत में सीखने वाली छात्राओं के बीच एक प्रतिस्पर्धा आयोजित हुई। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर संगोष्ठी दिवस पर पुरस्कृत किया गया।
2	6 एवं 7 फरवरी 2016	जैव विविधता का अध्ययन एवं पंजी संधारण	ग्राम बौछार के आसपास का क्षेत्र	इस कार्य के लिये छात्राओं को चार समूहों मे विभक्त कर उन्हे पशु–पक्षियों, कीटों, पेड़–पौधों, फसलों आदि की जानकारी के लिये ग्राम में एवं ग्राम के बाहर–खेतों व मैदान में ले जाया गया। जहाँ छात्राओं ने विविध जानकारियाँ एकत्रित की। तत्पश्चात् विद्यालय प्राँगण में शिक्षक के समक्ष इस जानकारी का प्रस्तुतिकरण किया गया एवं उसके महत्व व संरक्षण पर चर्चा हुई।
3	3 फरवरी 2016 बसंत पंचमी	रंगोली / मांडने बनाने का प्रशिक्षण	शाला भवन	विद्यालय में बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें त्योहार के महत्व पर चर्चा हुई। तत्पश्चात् सीमा चौरसिया द्वारा छात्राओं को रंगोली, अल्पना एवं चौक बनाने के

				बारे में सिखाया गया। इस प्रशिक्षण के उपरांत दिनांक 21 मार्च 2016 को प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।
4	15–25 फरवरी 2016	स्थानीय बोली के शब्दों का संकलन एवं लोकगीत संकलन	ग्राम बौछार	टी.व्ही., कम्प्यूटर, सेलफोन एवं तकनीकी के बढ़ते प्रभाव से स्थानिक शब्दों का प्रचलन लगातार कम होता जा रहा है। अनेक शब्द चलन से बाहर भी हो गये हैं। ऐसे में शाला की छात्राओं ने ग्राम के बुजुर्ग एवं जानकार लोगों से मिलकर स्थानीय शब्दों और इनके अर्थों का संकलन कार्य किया है। हालांकि यह कार्य अभी प्रारम्भिक अवस्था में है, किन्तु इससे प्रोत्साहित होकर छात्राओं ने ग्रीष्मावकाश में वृहद रूप देने का निर्णय लिया है। छात्राओं द्वारा संकलित शब्दों एवं लोकगीतों को भी प्रकाशित कर उन्हें वितरित किये गये हैं।
5	8 मार्च 2016	महिला दिवस पर शिल्प कार्यशाला	शाला भवन	महिला दिवस पर शिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें शाला की छात्राओं को तीन समूहों में विभक्त किया गया। प्रथम समूह एवं द्वितीय समूह को श्री वी.पी.मालवीय पूर्व व्याख्याता एवं शिल्पकार के मार्गदर्शन में मिट्टी एवं कागज के खिलौने बनाना सिखाया गया। जबकि तृतीय समूह को सीमा चौरसिया द्वारा अनुपयोगी वस्तुओं से पेन स्टेण्ड एवं फ्लावर पॉट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

Preserved

				श्री मालवीय कुशल शिल्पकार हैं वे मिट्टी को खिलौने बनाने की अनेक कार्यशालायें एवं प्रदर्शनी आयोजित कर चुके हैं। वहीं सीमा चौरसिया 'कबाड़ से जुगाड़' विषय पर ग्रीष्मावकाश व अन्य समय में कार्यशालायें आयोजित करती हैं।
6	20 मार्च 2016	ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक स्थल का भ्रमण	स्मीपी ग्राम बरहटा एवं नोनिया	बरहटा एवं नोनिया ग्राम प्राकृतिक, ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व के हैं। इन स्थलों के भ्रमण के लिये छात्राओं के एक दल को वहाँ ले जाया गया। जहाँ छात्राओं ने पहले जलप्रपात एवं वन्य क्षेत्र का भ्रमण कर चट्टानों, जलीय जीवों, वहाँ की वनस्पति व मिट्टी की जानकारी एकत्रित की। तत्पश्चात् नोनिया स्थित 'पाण्डव मठ' में स्थापित जैन तीर्थंकरों की मूर्तियों का अवलोकन किया।
7	21 मार्च 2016	विश्व वानिकी दिवस एवं चित्रकला	शाला भवन	'जल संरक्षण' पर केन्द्रित चित्रकला प्रतियोगिता हुई जिसमें छात्राओं ने जल संरक्षण कैसे ? विषय को केन्द्र में रखकर चित्रांकन किया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को संगोष्ठी दिवस पर पुरस्कृत किया गया।
8	22–31 मार्च 2016	संगोष्ठी	शाला भवन	'सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों की सुरक्षा कैसे की जाये ?'' एवं बालिका शिक्षा की आवश्यकता विषय पर विद्यालय में संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें डॉ.भरत मेहरा ने सांस्कृतिक धरोहरों एवं जीवन मूल्यों पर आधार वक्तव्य दिया तथा विशिष्ट अतिथि राकेश बक्शी ने बालिका शिक्षा की आवश्यकता पर

				व्याख्यान दिया। संगोष्ठी में नारायण सिंह पटेल 'कृषि कर्मण पुरस्कार 2015' से सम्मानित कृषक एवं समाजसेवी ने सृजनात्मक गतिविधियों के महत्व पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच श्री बसंत पटेल ने भी छात्राओं की शिक्षा के लिये शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा करते हुये उन्हें आगे पढ़ने के लिये प्रेरित किया।
9	22 मार्च से 31 मार्च 2016	प्रदर्शनी 'हमारी सांस्कृतिक विरासत'	शाला भवन	सी.सी.आर.टी. द्वारा प्रदत्त किट के छायाचित्रों की एक प्रदर्शनी 'हमारी सांस्कृतिक विरासत' शाला भवन में लगाई गई। इसका उद्घाटन श्री नारायण सिंह पटेल 'भारत' द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा बनाये गये चित्रों, खिलौनों एवं सामग्री से भी प्रदर्शनी किया गया। इस शालेय छात्राओं के साथ अन्य विद्यालय के छात्रों एवं ग्रामीण जनों द्वारा भी देखा व सराहा गया।
10	बाल सभा	राष्ट्रीय गीत गायन	शाला भवन	शनिवार को होने वाली प्रत्येक बालसभा में छात्राओं को विभिन्न भाषाओं के राष्ट्रीय गीतों के बारे में बताया गया। कुछ गीतों को छात्राओं ने गाना भी सीखा।

प्रधानपाठक
शास. कन्या माध्य. शाला
बौछार, जिला नरसिंहपुर

सांस्कृतिक क्लब द्वारा आयोजित गतिविधियों के बैनर एवं पोस्टर्स

लोकगीत गायन स्पर्धा में प्रस्तुति देती
छात्रा (ऊपर), नीचे श्रोता समूह

"जैव विविधता अध्ययन" हेतु खेतों की ओर जाते हुये छात्रायें

नदी तट पर जलीय जीवों का अवलोकन

वनस्पतियों की जानकारी एकत्र करती हुई छात्रायें

"पक्षी दर्शन"

छात्राओं द्वारा एकत्रित जानकारी
का समूह वार प्रस्तुतिकरण

प्रस्तुत जानकारी का विश्लेषण
एवं समेकन प्रभारी शिक्षक
द्वारा

स्थानिक भाषा के शब्द संकलन के लिए छात्राओं द्वारा
ग्राम के सम्मानीय व्यक्ति के साथ चर्चा

शैक्षिक भ्रमण के लिये जाने के पूर्व

"टोन:घाट" में बैठी छात्रायें

मूर्तियों के बारे में जानकारी देते
हुये शिक्षक

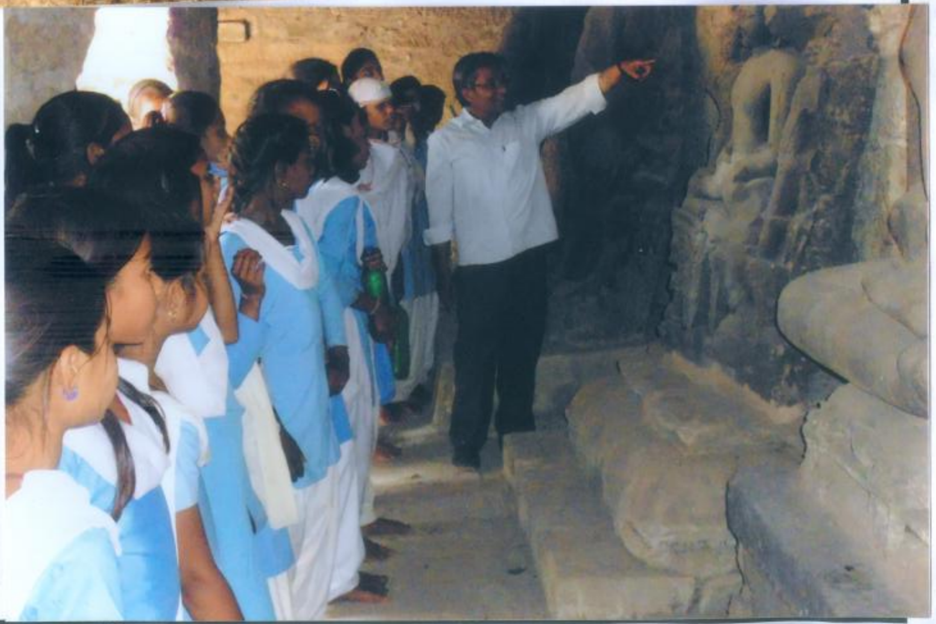

क्राफ्ट कार्यशाला में छात्राओं द्वारा बनाये गये मिट्टी के खिलौनों के साथ शिक्षक एवं प्रतिभागी छात्राओं के दल नायक

खिलौना बनाती हुई छात्रायें

छात्राओं द्वारा तैयार खिलौने

"कबाड़ से जुगाड़" पॉट मेकिंग
सिखाती प्रशिक्षक

मिट्टी के खिलौना बनाती
छात्रायें

"हमारी सांस्कृतिक विरासत" का उद्घाटन करते हुये श्री नारायण सिंह पटैल, पीछे ग्राम के सरपंच श्री बसंत पटैल, आनंद नेमा शिक्षक एवं अन्य

प्रदर्शनी का एक दृश्य

अतिथियों को जानकारी देते
शिक्षक आनंद नेमा

प्रदर्शनी का अवलोकन करती
हुई छात्रायें.

'फ्लावरपॉट' को देखते अतिथि

कार्यशाला में निर्मित खिलौने >

व्याख्यान देते हुये श्री अशोक-सक्सेना प्राचार्य पं. श्याम सुंदर नारायण मुशरान उ.मा.वि. बौछार

व्याख्यान-श्री बसंत पटैल सरपंच ग्राम पंचायत बौछार

"रंगोली" बनाते हुये छात्रायें एवं उन्हें सिखाने वाली प्रशिक्षक

प्रदर्शनी स्थल पर तैयार रंगोली

विविध प्रतियोगिताओं में
प्रथम, द्वितीय आने वाली
छात्राओं को पुरस्कृत
करते अतिथि

निर्णायक दल के सदस्य

चित्र बनाते हुये छात्रायें

पत्रिका
जबलपुर, रविवार
14 फरवरी 2016

त्योहारों से जीवन में आता है उल्लास

करकबेल @ पत्रिका . त्योहार हमारे जीवन में उल्लास और उमंग भरते हैं। मस्तिष्क में सकारात्मक विचारों को जन्म देते हैं। इससे रचनात्मक वृत्तियां पैदा होती हैं। ये बातें एसएल जैन प्रधान पाठक ने सांस्कृति क्लब शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार द्वारा आयोजित वसंतोत्सव कार्यक्रम में कहीं। वे कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे।

क्लब के संयोजक आनंद नेमा ने त्योहार की उपादेयता विषय पर चर्चा करते हुए छात्र-छात्राओं को त्योहार की पृष्ठभूमि, उनके सामाजिक व सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्सवों के कारण भारतीय समाज आदिकाल से प्रेम, सद्भाव, सहिष्णुता के गुणों को लोकजीवन में पुष्ठ व पल्लवित करता आ रहा है। इससे पहले कार्यक्रम के पहले चरण में अतिथि शिक्षक सीमा चौरसिया ने छात्राओं को रंगोली के बारे में जानकारी दी। कायंक्रम के दूसरे चरण में व्याख्यान कार्यक्रम हुआ। इसमें स्कूल के प्राचार्य अशोक सक्सेना ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि त्योहार मनाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है उसके बारे में जानना। हमें त्योहारों को मनाते हुए उसके बारे में समझना चाहिए।

दैनिक भास्कर जबलपुर शुक्रवार, 11 मार्च 2016

सिखाया मिट्टी एवं कागज के खिलौने बनाना

भास्कर न्यूज़. करकबेल

क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन

बच्चों को खिलौने बहुत पसंद होते हैं, वे इनसे खेलते हैं, इन्हें तोड़ते हैं, जोड़ते हैं, पर यदि हम स्वयं जब इन्हें बनाना सीखते हैं तो उसमें हमें मजा आता है, हम स्वयं उन्हें और सुन्दर बनाना सीखते हैं, इसलिये हम खूब कोशिश करें अच्छा बनाने की। उक्त विचार बीपी मालवीय सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं शिल्प कलाकार ने 'प्रत्यूश सांस्कृतिक क्लब शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार में आयोजित क्राफ्ट वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में कही। दूसरे दिन उन्होंने छात्रों के साथ मिट्टी एवं कागज के खिलौने बनाना सिखाये। छात्रों ने लगभग 4 घण्टे की कार्यषाला में ढेर सारे अलग-अलग प्रकार के खिलौने बनाकर प्रस्तुत किये। कार्यषाला में संस्था प्रमुख आनन्द नेमा ने छात्राओं को स्वयं करके सीखने के लाभों के बारे में समझाया कि ''जब हम कोई चीज स्वयं बनाते हैं तो हमारा मन-मस्तिश्क अच्छी ऊर्जा सेभर जाता है, हम अच्छे विचारों से भर जाते हैं, तथा हमारे अन्दर कार्य करने की षक्ति भी आ जाती है।'' सांस्कृतिक क्लब की छात्राओं द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रदर्षनी षीघ्र ही लगाई जायेगी जिसमें विभाग के वरिश्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रदर्षित किया जायेगा।

पत्रिका . जबलपुर . शुक्रवार . 11 मार्च 2016

बच्चों को बताया कागज के खिलौने बनाना

बौछार में हुआ क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन

करकबेल @ पत्रिका

mp.patrika.com

बच्चों को खिलौने बहुत पसंद होते हैं। वे इनसे खेलते हैं, इन्हें तोड़ते हैं, जोड़ते हैं पर यदि हम स्वयं जब इन्हें बनाना सीखते हैं तो उसमें हमें मजा आता है। हम स्वयं उन्हें और सुन्दर बनाना सीखते हैं इसलिए हम खूब कोशिश करें अच्छा बनाने की।

ये बात सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं शिल्प कलाकार बीपी मालवीय ने प्रत्यूष सांस्कृतिक क्लब शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार में आयोजित क्राफ्ट वर्कशॉप के उद्घाटन पर कही।

दूसरे दिन उन्होंने छात्रों के साथ मिट्टी एवं कागज के खिलौने बनाना सिखाया। छात्रों ने लगभग चार घंटे की कार्यशाला में ढेर सारे अलग-अलग प्रकार के खिलौने बनाकर प्रस्तुत किए। कार्यशाला में संस्था के आनंद नेमा ने समझाया कि जब हम कोई चीज स्वयं बनाते हैं तो हमारा मन मस्तिष्क अच्छी ऊर्जा से भर जाता है। हम अच्छे विचारों से भर जाते हैं तथा हमारे अंदर कार्य करने की शक्ति भी आ जाती है।

पत्रिका जबलपुर, सोमवार, 04.04.2016

बेटियों की शिक्षा को लेकर हों सभी सचेत

संगोष्ठी में वक्ताओं ने व्यक्त किए विचार

करकबेल @ पत्रिका
mp.patrika.com

बेटियों की शिक्षा के प्रति हम सभी को सचेत होना होगा क्योंकि बेटियां पढ़कर दो परिवारों को सम्हालने का महत्वपूर्ण कार्य करते हुए समाज का निर्माण करती हैं। उक्त बात शासकीय कन्या माध्यमिक शाला बौछार में आयोजित एक संगोष्ठी में राकेश बक्सी ने कही। इस दौरान प्रगतिशील किसान नारायणसिंह पटैल ने कहा कि मनुष्य अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करता है। वह सुख-सुविधा के साधन जुटाता है, उनका उपभोग करता है और खुशी की अनुभूति करता है। यही खुशहाली उसे सृजन करने की ओर ले जाती है। वह गाता है, नाचता है, कलाओं को रचता है।

सरपंच बसंत पटैल ने कहा कि हम अच्छे इंसान तभी बनेंगे, जब हमारे पास अच्छे संस्कार होंगे और यह शिक्षा से ही आते है। सांस्कृतिक मूल्यों का जीवन में महत्व विषय पर डॉ. भरत मेहरा ने कहा कि हमें एक बार फिर से अपनी परम्पराओं का विश्लेषण करना होगा। उनकी अच्छी बातों को जानकर और समझकर समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

संगोष्ठी के शुभारम्भ पर सांस्कृतिक क्लब के प्रभारी आनंद मेहरा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते बताया कि विद्यार्थियो में सांस्कृतिक तत्वों की पहचान हो व उनके मूल्यों को समझ सकें इसके लिए क्लब द्वारा रंगोली, चित्रकला, स्थानीय भाषा का शब्दकोष, लोकगीत, प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण जैसी गतिविधियां आयोजित की गई हैं। इस मौके पर विद्यालय में हमारी सांस्कृतिक विरासत विषय पर चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें आदि मानव द्वारा बनाए गए चित्रों से लेकर देश के प्रमुख मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों के स्थापत्य व शिल्प कला के साथ ही मध्यप्रदेश के दुर्ग व महलों को दिखाया गया है।